लोकसभा अध्यक्ष 25 फरवरी, 2021 को शिलांग में विधान सभा प्रांगण में मेघालय विधान सभा के माननीय सदस्यों को सम्बोधित करेंगे

...

श्री बिरला मेघालय विधान सभा के नए भवन के निर्माण स्थल का दौरा भी करेंगे

...

लोक सभा अध्यक्ष 26 फरवरी, 2021 को शिलांग में मेघालय और अन्य उत्तर-पूर्वी राज्यों के स्थानीय निकायों हेतु आउटरीच और परिचय कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे

...

मेघालय के मुख्यमंत्री; खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री; मेघालय विधान सभा के अध्यक्ष; और अन्य गण्यमान्य व्यक्ति इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे

...

इस कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न स्तरों पर लोकतांत्रिक संस्थाओं की पद्धतियों और प्रक्रियाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाकर लोकतंत्र में भागीदारी को बढ़ाना है

...

इस कार्यक्रम का विषय 'पंचायती राज प्रणाली/ स्वशासी जिला परिषद: विकेंद्रीकृत लोकतंत्र का सशक्तीकरण' है

...

शिलांग, 24 फरवरी, 2021: लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला 25 फरवरी, 2021 को शिलांग में विधान सभा प्रांगण में मेघालय विधान सभा के माननीय सदस्यों को सम्बोधित करेंगे। श्री बिरला गार्ड ऑफ़ ऑनर का निरिक्षण भी करेंगे। तत्पश्चात, श्री बिरला मेघालय विधान सभा के नए भवन के निर्माण स्थल का दौरा भी करेंगे।

श्री ओम बिरला 26 फरवरी, 2021 को शिलांग में मेघालय और अन्य उत्तर-पूर्वी राज्यों के स्थानीय निकायों हेतु आउटरीच और परिचय कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे।

श्री बिरला के साथ, इस कार्यक्रम में मेघालय के मुख्यमंत्री, डॉ कॉनराड के. संगमा; केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री, श्री रामेश्वर तेली; मेघालय विधान सभा के अध्यक्ष, श्री मेतबाह लिंग्दोह; मेघालय सरकार के जिला परिषद कार्य विभाग के मंत्री, श्री लखमेन रिंबुई भी शामिल होंगे।

अनेक संसद सदस्य और अन्य गण्यमान्य व्यक्ति भी इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे।

श्री बिरला ने देश की पंचायती राज संस्थाओं हेतु आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करने की एक अनूठी पहल की है। लोक सभा सचिवालय के संसदीय लोकतंत्र, शोध और प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा देश की पंचायती राज संस्थाओं हेतु आयोजित किया जा रहा आउटरीच और परिचय कार्यक्रम अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है जिसके माध्यम से निचले स्तर से शीर्ष स्तर तक विभिन्न स्तरों पर कार्यरत लोकतांत्रिक संस्थाओं द्वारा अपनाई जा रही पद्धतियों और प्रक्रियाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाकर लोकतंत्र में भागीदारी को बढ़ावा देने पर ध्यान दिया जा रहा है।

08 जनवरी, 2021 को देहरादून में आयोजित ऐसे पहले आउटरीच कार्यक्रम में उत्तराखंड के 13 जिला पंचायत अध्यक्षों, 12 जिला पंचायत उपाध्यक्षों, 125 जिला पंचायत सदस्यों, 85 ब्लॉक पंचायत प्रमुखों और 210 ग्राम प्रधानों सहित 445 पंचायत प्रतिनिधियों ने व्यक्तिगत रूप से भाग लिया था। इसके अतिरिक्त, लगभग 40,000 पंचायत प्रतिनिधि और अधिकारीगण भी वेबलिंक के माध्यम से इस कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़े थे।

इस आउटरीच कार्यक्रम का अगला आयोजन मेघालय और अन्य उत्तर-पूर्वी राज्यों की जमीनी स्तर की संस्थाओं के लिए शिलांग, मेघालय में 26 फरवरी, 2021 को किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का विषय 'पंचायती राज प्रणाली/स्वायत्त जिला परिषद: विकेंद्रीकृत लोकतंत्र का सुदृढ़ीकरण' है। मेघालय की स्वायत्त जिला परिषदों के लगभग 90 सदस्य व्यक्तिगत रूप से उपरोक्त कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके अतिरिक्त, अन्य उत्तर-पूर्वी राज्यों के स्थानीय स्वशासी निकायों के 80 प्रमुख प्रतिनिधि, जिनमें अरुणाचल प्रदेश से 25 जिला परिषद अध्यक्ष, असम से 26 जिला परिषद अध्यक्ष, मणिपुर से 6 जिला परिषद अध्यक्ष, मिजोरम से 6 एमडीसी, नागालैंड की ग्राम परिषदों से मनोनीत 5 प्रधान, सिक्किम से 4 जिला परिषद अध्यक्ष और त्रिपुरा से 8 जिला परिषद अध्यक्ष शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, उत्तर-पूर्व के सभी राज्यों के शेष पंचायत प्रतिनिधि वेबलिंक के माध्यम से इस कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़ेंगे।

उपर्युक्त कार्यक्रम के व्यापक उद्देश्य इस प्रकार हैं:-

एक) जन-जागरूकता / जन भागीदारी विकसित करना

दो) जमीनी स्तर के नेताओं में आत्मविश्वास / आत्म- सम्मान की भावना विकसित करना

तीन) सृजित की गई परिसंपत्तियों के स्वामित्व की भावना पैदा करना

चार) जमीनी स्तर के नेताओं में लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति आकांक्षाएं जागृत करना

पांच) विभिन्न योजनाओं और उन्हें लोगों तक पहुंचाने के बारे में जागरुकता उत्पन्न करना - विकास कार्यों के अवसर

छह) जमीनी स्तर के नेताओं का नेटवर्क तैयार करना और उनकी आकांक्षाओं को नए आयाम देना।

मेघालय के उपमुख्यमंत्री, श्री प्रिस्टोन त्निसोंग और मेघालय विधान सभा के उपाध्यक्ष, श्री टिमोथी शिरासमापन सत्र में भाग लेंगे।

शिष्टमंडल के सदस्यों और प्रतिभागियों ने आज से ही शिलांग में पहुंचना शुरू कर दिया है।